Dr. Priti Ranjan

H. D Jain College (Ara)

B.A Part - I

paper - 1

Topic - Vaidik Sabhyata

Part - I

* चान्हुदड़ो → सबसे ज्यादा मनका मिला है।

वैदिक सभ्यता

* वैदिक सभ्यता को दो भागों में बाँटा गया :-
1500 BC - 1,000 BC → ऋग्वैदिक काल

* ~~वैदिक सभ्यता को दो भागों में बाँटा गया है :-~~

* उत्तर वैदिक काल 1,000 - 600 BC
↳ शेष वैदिक साहित्य

* वैदिक साहित्य की जानकारी का मुख्य स्रोत साहित्य है।

✓ ⊗ ऋग्वैदिक कालीन एक स्थल मिला है :— भगवान पुर (हरियाणा)

* यहाँ से 13 कमरों वाला एक हवन का अवशेष मिला है।

* ∅ ऋग्वैदिक कालीन कोई सिक्का नहीं है।

* वैदिक सभ्यता का निर्माण → आर्य को माना जाता है।

* आर्य का शाब्दिक अर्थ → सभ्य
36 स्थानों पर आर्य का उल्लेख आया है।

* आर्य एक जाति / प्रजाति / नस्ल नहीं है। बल्कि आर्य [भाषा समूह] को कहा गया।

* प्राचीनतम भाषा जो मानव को प्राप्त है, और वहीं से संस्कृत भाषा की जानकारी मिली।
✓ भाषा आर्य को ही भाषा का उद्भव माना जाता है।

* जो लोग आर्य भाषा बोला करते थे, उसे ही आर्य कहा जाता था।

* इनका मूल स्थान :- द० पूर्वी रूस था।
  ↳ यह धारणा All चीन की है।

* इतिहासकार मैक्स मूलर के अनुसार → आर्य मध्य एशिया के है। (केन्द्र ईरान)

* आर्य शब्द का पहला अभिलेखीय प्रमाण → ईरानी अभिलेख में मिलता है।
  * ईरान का राजा डेरीसस।

* बाल गंगाधर तिलक के अनुसार → ~~आर आर्कटिक~~ आर्कटिक था।
* दयानन्द सरस्वती के अनुसार - तिब्बत
* पोनका → जर्मनी के मूल निवासी थे।

* भारतीय इतिहासकार A.C. दास के अनुसार आर्यों का मूल प्रदेश भारत था (सिन्धु क्षेत्र)

* (कसकशा / बोकसम) से आर्यों का पुरातात्विक अवशेष मिला है।

* लगभग 2000 ई० पू० में ईरान से आर्यों की एक शाखा का प्रवेश ईरान से भारत की ओर आया।

* मुख्यतः 1700 - 1500 ई० पू० तक
  बड़ी संख्या में आर्यों ने सिन्धु क्षेत्र को अपना निवास स्थान बनाया। सिन्धु में ही ऋग्वेद की रचना की गई।

* ऋग्वेद में आर्यों की भौगोलिक सीमा पर प्रकाश पड़ता है। रावी (परुष्णि एवं इरावती)
  झेलम नदी (वितस्ता) चिनाब नदी (अस्किनी)

* ऋग्वेद में 40 नदियों का उल्लेख है।
here जिसमें सिंधु नदी की सर्वाधिक चर्चा हिरण्यवा

* सिंधु नदी के अन्य शाखा व्यास नदी उसे विपाशा कहा गया।
here रावी

राजस्थान में दो नदियों का उल्लेख है:-
सरस्वती को नदियों की माता कहा जाता है।
(नदीतमा नदी की माता)
सरस्वती को सबसे पवित्र नदी माना गया है।

* राजस्थान में जो घग्घर नदी बहती है, उसे ही सरस्वती नदी मानते हैं।

दो आब को ब्रह्मवर्त कहा गया है या ब्रह्मर्षि देश कहा गया।

* ऋग्वेद में गंगा या यमुना का उल्लेख है।
here पर प्रादेशिक क्षेत्र का उल्लेख नहीं है।
* ऋग्वेद में अफगानिस्तान में बहने वाली कुभा नदी, स्वात और सरयू नदी का उल्लेख है। त्रीतिकाया

* ऋग्वेद में समुद्र का भी उल्लेख है। {इनकी चर्चा तीन प्रकार से है ऋग्वेद में}
ऋग्वेद के 4वां मंडल व 9वां मंडल में 4 समुद्रों का उल्लेख है। (महत्वपूर्ण) => इसकी पहचान की गयी है।
(i) अपर समुद्र => जो अरब सागर में है।
(ii) पूर्व समुद्र => इसे बंगाल की खाड़ी मानते हैं।
(iii) सारस्वत समुद्र => इसकी पहचान संभव नहीं है।
(iv) here शर्यनावत => " " " " "
कुछ लोग इन्हें झील मानते हैं।

Date / /200

* ऋग्वेद में पर्वतों का भी उल्लेख है :-
(i) पर्वत में हिमवन्त पर्वत (हिमालय) को कहा जाता है।
(ii) मुँजवन्त (हिन्दु कुश पर्वत माला को माना जाता है)

२॥ * ऋग्वेद में कुछ स्थलों का उल्लेख है → गंधार (पाकिस्तान) (रावल पिंडी) कन्धार (राजस्थान)

* उत्तर वैदिक काल में आर्यों का पूरे उ० भारत में विस्तार हो गया। उ० वैदिक काल में आर्यों को पहली बार द० भारत में प्रवेश हुआ।

* शतपथ ब्राह्मण ग्रंथ में विदेह राजा की चर्चा है, जो सरस्वती क्षेत्र का स्वामी था।
उसका पुरोहित गौतम ऋषि (गौतम राहुगण)
कहानी — विदेह ने अपने मुँह में अग्नि का गोला रख दिया, और पुरोहित उसमें घी डाल दिया। ऐसे करते -2 वे सदानीरा नदी पहुँच गये। (आधुनिक गण्डक नदी को कहते हैं)

* अथर्ववेद में मगध शब्द का उल्लेख आया है। (पहली बार) मगध प्रदेश आधुनिक पटना के ~~माना जाता~~ नाम से जाना गया।

* महाभारत के अनुसार :- भरतवंश उसकी राजधानी हस्तिनापुर (उत्तर प्रदेश के मेरठ क्षेत्र। उसकी दूसरी राजधानी इन्द्रप्रस्थ है।

* महाभारत में ऋषि अगस्त्य की कहानी आती है। अगस्त्य ऋषि पहले आर्य ऋषि थे, जिसे द० भारत में आर्यों के प्रचार किया।

* रामायण के अनुसार → राम अगस्त्य के बाद दूसरे द० में जाने वाले देवता थे। राम के नेतृत्व में पूरे आर्यों का द० में प्रवेश हो गया।